☆ व्यक्तिगत और सामूहिक परीक्षण में अंतर है :–
व्यक्तिगत और सामूहिक परीक्षण के अंतर्गत स्पष्ट करना अत्यंत आवश्यक है :–

व्यक्तिगत	सामूहिक परीक्षण
1. इस परीक्षण का आयोजन करने में श्रम एवं समय अधिक लगता है।	1. सामूहिक परीक्षण में पूरे परीक्षण एक साथ किया जाता है।
2. इसमें विद्यार्थियों को अत्यधिक सजगता के साथ परीक्षा देना होता है।	2. सामूहिक परीक्षण होने के कारण कभी-कभी बालक उसके प्रति संजग नहीं होते।
3. इस परीक्षण के परिणाम विश्व-सनीय के साथ-साथ शुद्ध भी होता है।	3. इस परीक्षणों का परिणाम अपेक्षाकृत कम विश्वसनीय होता है।
4. ये परीक्षण कम आयु के लिए सर्वश्रेष्ठ है।	4. ये परीक्षण का परिणाम अपेक्षाकृत कम आयु के लिए जटिल होता है।

Scanned with CamScanner

PAGE
DATE

5.	ये परीक्षण में छात्र के गुण एवं दोष नजदीक से किया जाता है।	इस परीक्षण ~~कम आयु के लिए~~ समान तौर पर विशेषताओं का
6.	इस ~~प्रश्नमाला की प्रभावशाली~~ पद्धति में परीक्षण का अशिक्षित होना अति आवश्यक होता है।	इस परीक्षण में परीक्षार्थियों का अशिक्षित का होना अनिवार्य नहीं होता है।
7.	इसमें प्रश्नावली को प्रभावशाली रूप से तैयार करना होता है।	इस पद्धति का स्वरूप सामूहिक होता है। अतः यह प्रभावशील करना अनिवार्य नहीं होता है।
8.	इसमें प्रयोग कर्ता छात्र का सीधा संबंध होने के कारण इसमें अत्यधिक होता है घनिष्ठता	इस परीक्षण में प्रयोगकर्ता में न होने के कारण घनिष्ठ नहीं होता है।